जनपद अलीगढ़ सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण– दिनांक 05 एवं 06 अगस्त 2016

भ्रमण कर्ता–

1. डॉ0 मनोज कुमार शुक्ल, उपमहाप्रबन्धक मातृ स्वास्थ्य,
2. गौरव सहगल, परामर्शदाता, कम्यनिटी प्रोसेस,

दिनांक 05.08.2016

मोहन लाल गौतम, जिला महिला चिकित्सालय, अलीगढ़, की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डॉ0 गीता प्रधान चन्द्रा के साथ अस्पताल के निरीक्षण एवं अभिलेखों के परीक्षण में निम्न तथ्य सामने आये।

- अस्पताल की स्वच्छता सन्तोषजनक पायी गयी।
- दीवारों पर परिवार नियोजन सम्बन्धी प्रचार प्रसार सामाग्री की बहुतायत थी परन्तु अपेक्षाकृत मातृ स्वास्थ्य सम्बन्धी (एस0बी0ए0 प्रोटोकॉल पोस्टर) प्रचार सामग्री की कमी थी। विशेषकर स्तन पान सप्ताह तथा सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा से सम्बन्धित प्रचार प्रसार सामग्री का अभाव था। ना ही कोई ओ0आर0एस0 कार्नर बना था।
- एस0एन0सी0यू0 में बाल रोग विशेषज्ञ व अन्य स्टाफ मौजूद होकर नवजात शिशुओं को सेवाएं प्रदान कर रहे थे। संविदा स्टाफ द्वारा मानदेय न मिलने की शिकायत की गयी। संज्ञान में आया कि नवजात शिशुओं की पैथालोजी जांचों हेतु आवश्यक सुविधा अस्पताल में न होने के कारण ब्लड सैम्पिल बाहर भेजने पड़ रहे हैं। डी0सी0एच0 अलीगढ़ में यू0पी0एच0एस0पी0 के सहयोग से एस0आर0एल0 पैथालोजी लैब की मुफ्त सुविधाएं हैं। एस0एन0सी0यू0 एवं अन्य भर्ती रोगियों हेतु पैथालोजी जांच के लिये डी0सी0एच0 अलीगढ़ में संचालित लैब से सुविधाएं प्राप्त करने की सलाह दी गयी।
- पोस्ट नेटल वार्ड में मौजूद प्रसूताओं ने बताया कि जिन बच्चों को मशीन में रखा गया उन्हें डिब्बे बन्द दूध दिया गया। समस्त नवजात शिशुओं को जन्म के तुरन्त बाद स्तन पान कराते हुए डिब्बा बन्द दूध हतोत्साहित करने के निर्देश दिये।
- वार्ड में मौजूद प्रसूताओं द्वारा भोजन दिये जाने की पुष्टि की गयी परन्तु वित्तीय वर्ष 2016–17 को जे0एस0एस0के0 डाइट रजिस्टर का रख रखाव अपूर्ण था जिसे सतत रू‍प से अधोनान्त करने के निर्देश दिये गये।
- जे0एस0वाई भुगतान की स्थिति अत्यन्त खराब है। एम0सी0टी0एस0 पोर्टल पर प्रविष्ट अथवा खाता न होने के कारण लाभार्थियों के भुगतान लम्बित हैं। लाभार्थियों को जे0एस0वाई प्रमाण पत्र भी नियमित रूप से नहीं दिये जा रहे हैं। जे0एस0वाई प्रशासनिक मद का व्यय, प्रमुखता से सिक्योरिटी गार्ड की सैलरी के लिये किया जा रहा है। इस मद से ओ0टी0 व लेबर रूम के सुदृढ़ीकरण हेतु धन खर्च किये जाने के सम्बन्ध में जिला महिला अधीक्षिका महोदया भिज्ञ नहीं थी।
- लेबर रूम सन्तोषजनक था, प्रोटोकाल पोस्टर का प्रदर्शन अपर्याप्त था व पार्टोग्राफ का प्रयोग नही किया जा रहा है। ओ0टी0 में एल्बो टैप नहीं था तथा शेष व्यवस्थायें ठीक थीं।
-
- ए0एन0सी0 तथा लेबर रूम रजिस्टर का रख रखाव अपेक्षानुसार नहीं था। एम0सी0टी0एस0 व अन्य प्रविष्टियों के बारे में संवेदीकृत किया गया। विभिन्न परामर्शदाताओं द्वारा अपने अपने कक्षों मे परामर्श दिया जा रहा था। योगा कक्ष में गर्भवती महिलाओं को योगिक क्रियाओं व आसमिक की सलाह दी जा रही थी।

- टीकाकरण कक्ष में नये एम0सी0पी0 कार्ड तथा पुराने काउन्टर फाइल उपलब्ध नहीं थे। वैक्सीन कैरियर में आईस पैक जमे हुए थे एवं आई0पी0वी0 वैक्सीन तथा विटामिन ए उपलब्ध नहीं थे।
- एजेन्सी सिनर्जी वेस्ट द्वारा बायोमेडिकल वेस्ट की सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। अधीक्षिका महोदया के पास सम्बन्धित टेण्डर कान्ट्रेक्ट की प्रति उपलब्ध न होने के कारण उन्हें सम्पूर्ण प्रक्रिया की जानकारी नहीं थी एवं विभिन्न कलर्ड बिंन्स में वेस्ट सेग्रीगेशन उचित ढंग से सम्पादित नहीं हो रहा था।

<u>सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा सम्बन्धी अपर मुख्य चिकित्साधिकारी प्रतिरक्षण का फीडबैक–</u>

- समस्त 12 ब्लाक व 1 नगरीय क्षेत्र के लिये सघन दस्त नियंत्रण पखवाडा माइक्रो प्लान बना लिये जाने की बात कही गयी परन्तु पुष्टि हेतु माइक्रो प्लान देखने को नहीं मिले।
- जनपद में 51 (35 पी0एच0सी0, 13 सी0एच0सी0 एवं 03 जिला चिकित्सालयों) ओ0आर0एस0 कार्नर बनाये गये।
- जनपद में 0 से 05 वर्ष तक के कुल 490260 बच्चों के लिए अभियान के प्रारम्भ मे 741120 जिंक की गोलियां एवं 105875 ओ0आर0एस0 पैकेट उपलब्ध थे। सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा व स्तन पान सप्ताह हेतु दिशा निर्देश एवं प्रचार प्रसार सामग्री मुद्रित कर समस्त ब्लाकों को भेजी जा चुकी है।

<u>दिनांक 06.08.2016</u>

<u>हौसला पोषण मिशन के अन्तर्गत आंगनवाड़ी केन्द्रों का भ्रमण–</u>

- डी0पी0ओ0 श्री एम0जेड0 खान द्वारा दूरभाष पर अवगत कराया गया कि लगभग 2500 आंगनवाड़ी केन्द्रों में से 2364 के फार्म भरे जा चुके हैं, 2087 के खाते खुल चुके हैं 1353 के खातों में पैसा ट्रान्सफर किया जा चुका है।
- ब्लाक धनीपुर के ग्राम भूतपुरा में गर्भवती महिलाओं के लिये हाट कुक मील में सोयाबीन की बड़ी वाली तहरी बनायी जा रही थी। भोजनोपरान्त महिलाओं को लाल के स्थान पर नीली आयरन की गोली दी जाती हैं परन्तु सामने खाने हेतु प्रयास नहीं किया जाता है।
- ब्लाक अतरौली में काजिमाबाद व खेड़िया में 25 जुलाई को उद्घाटन के बाद से हाट कुक मील नहीं वितरित हुआ इस सम्बन्ध में अवगत कराया गया पास बुक न मिलने/खाते से पैसा न निकल पाने के कारण ग्राम प्रधान द्वारा मना कर दिया गया।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र ग्राम भूतपुरा एवं काजिमाबाद– दोनों सत्रों पर ड्यू लिस्ट व आवश्यक सामग्री (आई0पी0वी0 विटामिन ए को छोड़कर) उपलब्ध थी। लाभार्थियों को टीकारण कार्ड लाने के लिये प्रेरित नहीं किया जा रहा थां ना ही चार संदेश दिये जा रहे थे। आवश्यकतानुसार निर्देर्शित किया गया।

<u>एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0 अतरौली–</u>

- लेबर रूम, वार्ड तथा शौचालय में सफाई व्यवस्था सन्तोषजनक नहीं पायी गयी।
- लेबर रूम से अटैच शौचालय नहीं है। ए0एन0सी0 रजिस्टर, लेबर रूम रजिस्टर तथा सन्दर्भन रजिस्टर अपूर्ण था। इमरजेन्सी व अन्य ट्रे का रख रखाव सन्तोषजनक नहीं थां। एन0बी0एस0यू0 तथा न्यू बार्न केयर कार्नर भी अव्यवस्थिति था। पार्टोग्राफ का प्रयोग नही किया जा रहा है। ऑपरेशन थियेटर सन्तोषजनक था। संविदा विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा अब तक 14 ऑपरेशन किये गये थे।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016–17 के 50 प्रतिशत से अधिक भुगतान लम्बित है जननी सुरक्षा योजना प्रपत्र में लगा लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र किसी को नहीं दिया जा रहा है। आशाओं व

आशा संगिनी के अधिकांश देयकों का भुगतान लम्बित हैं। बी0ए0एम0 मैटरनिटी लीव पर हैं तथा सम्बद्ध बी0ए0एम0 हरदुआगंज में वाउचर की अनुपलब्धता को भुगतान में बाधक बताया।

- प्रसूताओं द्वारा भोजन मिलना स्वीकारा गया परन्तु जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत डाइट रजिस्टर देखने को नहीं मिला अधिकांश प्रसूतायें 48 घण्टे नहीं रूकतीं।
- एम0सी0टी0एस0 पोर्टल की पृविष्टियां अपर्याप्त थीं एवं वर्कप्लान नियमित रुप से जनरेट नहीं किया जा रहा है। डेटा इन्ट्री ऑपरेटर को प्रत्येक सोमवार को उपकेन्द्रवार रिपोर्ट जनरेट कर एम0ओ0आई0सी0 के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये।
- बायो वेस्ट डिस्पोजल प्रबन्धन सही प्रकार से नहीं हो रहा है।
- ओ0आर0एस0 कार्नन देखने को नहीं मिला।

<u>नॉन एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0 हरदुआगंज–</u>

- अस्पताल स्वच्छ था प्रचार प्रसार सामग्री अच्छे से प्रदर्शित थी विशेषकर ए0एन0सी0 व पी0एन0सी0 वार्ड में फ्लैक्स बैनर का प्रदर्शन था।
- लेबर रूम, वार्ड तथा शौचालय में सफाई व्यवस्था सन्तोषजनक नहीं पायी गयी।
- लेबर रूम स्वच्छ व अटैच शौचालय था। ए0एन0सी0 रजिस्टर, लेबर रूम रजिस्टर तथा सन्दर्भन रजिस्टर में एम0सी0टी0एस0 नम्बर का अभाव था। इमरजेन्सी व अन्य ट्रे का रख रखाव ठीक थां। न्यू बार्न केयर कार्नर व्यवस्थिति था। पार्टोग्राफ का प्रयोग नही किया जा रहा है।
- ओ0आर0एस0 कार्नर संचालित किया जा रहा था।
- एम0सी0टी0एस0, जे0एस0वाई एवं आशा भुगतान की स्थिति सन्तोषजनक नहीं थीं।

<u>सायंकालीन बैठक–</u>

- प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 गोयल की अध्यक्षता व डी0आई0ओ0 डॉ0 शर्मा की उपस्थिति में बी0सी0पी0एम0, बी0पी0एम0 व बी0ए0एम0 की समीक्षा बैठक ली गयी जिसमें भ्रमण सम्बन्धी फीड बैक एवं बी0पी0एम0 द्वारा उपलब्ध कराये गये ब्लाकवार एम0सी0टी0एस0 जे0एस0वाई परिवार नियोजन आशा भुगतान आदि कार्यक्रमों की समीक्षा/चर्चा की गयी। ब्लाकवार भुगतान की समीक्षा के दौरान अत्यन्त खराब प्रदर्शन वाले कर्मियों को चेतावनी देते हुए एक सप्ताह के भीतर स्थिति बेहतर करने के निर्देश दिये गये। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा चन्डौस व टप्पल के परीक्षक को ही दूरभाष पर फटकार लगाई। संविदा कर्मियों द्वारा इस वित्तीय वर्ष में भुगतान न मिलने की शिकायते दर्ज करायी गयीं। एजेन्सी के माध्यम से कार्यरत बी0पी0एम0 द्वारा 10000 से कम भुगतान की समस्या बताई गयी। उनके अनुसार सर्विस टैक्स बढ़ने के कारण उनका भुगतान घट रहा है।

गौरव सहगल,
कम्यनिटी प्रोसेस,

डॉ0 मनोज कुमार शुक्ल, परामर्शदाता,
उपमहाप्रबन्धक मातृ स्वास्थ्य,